Global 500 roll of honour to Indian Scientists for contribution to Environment

1580. SHRI MAHENDRA PRASAD: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether a number of Indian Scientists and technicians have been awarded the Global 500 Roll of Honour of the UN Environment Programme this year for their outstanding contributions to environment development, maintenance of ecology and prevention of air and water pollution;

(b) if so, the details thereof and the contributions made by each scientist|engineer|technician for which the award has been conferred; and

(c) how their services are being utilised for environment maintenance purposes in the country?

THE MINISTER OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI NILAMANI ROUTRAY): (a) to (c) The United Nations Environment Programme (UNEP) has awarded the Global 500 Roll of Honour to the Bombay Natural History Society (BNHS), The Kerala Sastra Sahitya Parishad (KSSP), Dr. Gunavantrai Oza and Dr. Dhrubajyoti Ghosh. The BNHS has been awarded for its crucial role in protecting India's wildlife, the Kerala Sastra Sahitya Parishad for its contribution to environmental protection and rational use of natural resources as a grass root Non-governmental organization, Dr. Gunavantrai Oza for his important studies in wildlife Botany and Dr. Dhrubajyoti Ghosh for his environmental contribution in identification of the wetlands east of Calcutta as the World's largest resource recovery system. All the four awardees are associated in different programmes of the Government connected with their areas of work in the field of environment.

प्राथमिक विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव तथा शिक्षकों की कमी

1581. **श्री राम नरेश यादव :** क्या **प्रधान मंत्री** 7 अगस्त, 1990 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 27 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1990-91 के वर्ष के लिए पेय जल, श्याम पट्ट और बैठने की व्यवस्था संबंधी सुविधाएं प्रदान करने के लिए सरकार की योजनाओं का ब्यौरा क्या है, तथा ये सुविधायें कितने प्राथमिक विद्यालयों में उपलब्ध करायी जाएंगी तथा ये सुविधायें उपलब्ध कराने में कितने करोड़ रुपये व्यय किए जायेंगे; और

(ख) विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात से देश में कितने प्राथमिक शिक्षकों की आवश्यकता है तथा कितने प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है, तथा इस कमी को पूरा करने के लिए सरकार ने क्या योजना बनाई है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिमन भाई मेहता) : (क) वर्ष 1987-88 में सरकार ने देश में सभी प्राथमिक विद्यालयों को जरूरी भौतिक सुविधायें देने के लिए 'आपरेशन ब्लैक बोर्ड' के नाम से एक योजना शुरू की थी। अन्य बातों के साथ साथ इसमें (i) ब्लैक बोर्ड (ii) बैठने की व्यवस्था के लिए बच्चों के लिए चटाई और शिक्षक के लिए फर्नीचर, और (iii) पीने के पानी का भंडार करने के लिए घड़े का प्रावधान शामिल किया गया था । इस योजना के लिए वर्ष 1990-91 में 147 करोड़ रु. की राशि आवंटित की गयी है, जिससे

यह उम्मीद की गयी है कि देश में लगभग 10%–15% खंड और नगर क्षेत्रों में सभी प्राथमिक विद्यालयों को शामिल कर लिया जायेगा। स्कूली बच्चों के लिए पीने के पानी की सुविधा के प्रावधान पर पीने के पानी के प्रौद्योगिकी अभियान के अन्तर्गत विशेष ध्यान दिया जाना है।

(ख) वर्ष 1987–88 में प्राइमरी स्तर पर बच्चे लगभग 929.7 लाख और 16.16 लाख अध्यापक थे। राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद द्वारा अनुशंसित अध्यापक-छात्र के 1:40 के अनुपात के अनुसार लगभग 7 लाख और अधिक शिक्षकों की आवश्यकता है।

प्राथमिक स्कूल शिक्षकों की नियुक्ति करना राज्य सरकारों का उत्तरदायित्व है। यह छात्रों के दाखिले, कक्षा का आकार नये स्कूलों का खोलना, निधियों आदि की उपलब्धता आदि पर निर्भर करते हुए एक सतत प्रक्रिया है। केन्द्रीय सरकार एकल शिक्षक वाले स्कूलों में दूसरे अध्यापक अधिमानता एक महिला अध्यापक का प्रावधान करने के लिए आपरेशन ब्लैक बोर्ड की योजना के अन्तर्गत सहायता प्रदान करती है।

Undertaking by the parents of students seeking admission in Kendriya Vidyalaya, Rampur

1582. SHRI ISH DUTT YADAV: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the parents of students of Kendriya Vidyalayas seeking admission to Class XI are required to give any kind of undertaking;

(b) if so, the proforma used therefor;

(c) if not, the reasons for refusing admission to students of Kendriya Vidyalaya, Rampur on their refusal to give such undertaking; and

(d) whether any action has been taken against the principal on this count?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI CHIMANBHAI MEHTA): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) The information in this regard is being obtained from Kendriya Vidyalaya Sangathan.

(d) Does not arise at this stage.

Opening of Zonal Centres of Patrachar Vidyalaya in Delhi

1583. SHRI N. E. BALARAM: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Patrachar Vidyalaya under the Delhi Administration has its office at Timarpur and the students seeking admission therein have to go to Timarpur from far off places in Delhi, which causes great hardships to them;

(b) if so, whether some zonal admission centres would be opened; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI CHIMANBHAI MEHTA): (a) There is no complaint on the record of Directorate of Education, Delhi Administration that students are having any difficulty in getting admission in Patrachar Vidyalaya situated at Timarpur.

(b) and (c) Do not arise.

Basic facilities to teachers of Delhi Administration

1584. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the problems of Delhi Government School Teachers particularly relating to their medical allowance, allotment of Government accommodation from the Estate Office quota, stoppage of promotion avenues; and